

14.9.21

बार - बार आवाज दिलावै जावे
के बाबजूद भी ना हो अपील
हो ना हो उनके अपीलवाक्य धरि
अशक्त अपील हूँ: पञ्जाबी आम
दोहरी हूँ अहम पेशी में खरिज
की जाती है। पञ्जाबी केवल सुगम
की जाकर बखर से कम भी जावे,
बाद जाकर शरिबल दफ्तर हो।

राज्य अधिकारी,
राज्य मपील अधिकारी
मुम्बई-वीरपुर